सारे टॉपर्स इंजीनियरिंग बैकग्रांउड से कहा- प्रबंधन में जॉब के बेहतर मौके

आईआईएम रायपुर का सातवां दीक्षांत मंगलवार को संपन्न हुआ। दीक्षांत में कई नजारे दिखे। अभिभावक जहां अपने बच्चों को उपाधि लेते देख गर्व की अनुभूति कर रहे थे, वहीं छात्रों के चेहरों पर भी एक अलग ही चमक दिखी। सातवें दीक्षांत की खास बात यह रही कि सभी टॉपर्स इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के रहे। इस सत्र में एमबीए की उपाधि लेने वाले 30 प्रतिशत छात्र इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से है। मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमन ने छात्रों को उपाधियां प्रदान की। विशिष्ट अतिथि के रुप में मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह उपस्थित रहे। अध्यक्षता बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की अध्यक्ष श्यामला गोपीनाथ ने की। संस्थान के डायरेक्टर प्रो. भारत भास्कर ने संस्थान का प्रतिवेदन पेश करते हुए सालभर की गतिविधियों से अवगत कराया।

रायपुर। दीक्षांत समारोह की शुरुआत करते हुए आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रो. भारत भास्कर ने छात्रों व संकाय सदस्यों को बधाई दी। उनकी मेहनत व विभिन्न उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को सपने देखने व सपने को संभव बनाने के लिए कार्य करने की सलाह दी। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रायपुर के सातवें दीक्षांत में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के 2016-18 बैच के 147 स्टूडेंट्स, स्नातकोत्तर कार्यक्रम 2015-17 बैच के 49 स्टूडेंट्स, कार्यकारी अधिकारियों के लिए संचालित स्नातक कार्यक्रम के 2016 बैच के 10 स्टूडेंट्स व मैनेजमेंट में फेलो कार्यक्रम के 8 स्टूडेंट्स को डिग्री प्रदान की गई। पांच स्टूडेंट्स को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। जिसमें सभी स्टूडेंट्स इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के हैं।

आईआईएम रायपुर का सातवां दीक्षांत संपन्न

दीक्षांत किसी भी छात्र के लिए महत्वपूर्ण पल होता है। कॉलेज में मिला ज्ञान आप अपने साथ लेकर जाएंगे। यहां आपने जो सीखा है, उसे इम्पलीमेंट करने का वक्त है। ग्लोबल हो चुके समय में आप बेहतर एडमिनिस्ट्रेटिव की भूमिका निभा सकते हैं। आज आपके क्वालिटी, आपके स्कील, वर्किंग एक्सीलेंस की समाज व देश को आवश्यकता है। हम चुनौतीपूर्ण समय में हैं, जहां वैश्विक स्तर पर मंथन जारी है। अपने वर्क प्लेस में आप साइंस व आर्ट का बेहतर तालमेल स्थापित करें। यह मैनेजमेंट का बेसिक फंडा है। वैसे भी आईआईएम के अधिकतर स्टूडेंट्स इंजीनियरिंग ग्रेजुएट हैं। जो साइंस-मैथ्स के साथ मैनेजमेंट के फंडे को लेकर अपने कार्य में एक्सीलेंस लाएंगे।

Haribhoomi, 11th April 2018, P.14-15